(ख) 'वापसी' कहानी का मूल भाव।

(ग) 'घुसपैठिये' कहानी के शीर्षक की सार्थकता।

(घ) लहनासिंह का चरित्र।

***

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : ....

Sl. No. of Q. Paper : **2128** **I**

Unique Paper Code : 2052101103

Name of the Paper : Hindi Kahani

Name of the Course : **B.A (Hons) Hindi**

Semester : I

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्ही **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये।

10+10=20

(क) ''कल, देखते नहीं - यह रेशम से कढ़ा हुआ शालू।'' लड़की भाग गई लड़के ने घर की राह ली। रास्ते में एक लड़के को मोरी में ढकेल दिया, एक छाबड़ी वाले की दिन-भर की कमाई खोई, एक कुत्ते पर पत्थर मारा और एक गोभी वाले के ठेले में दूध उड़ेल दिया। सामने नहाकर आती हुई किसी वैष्णवी से टकराकर अंधे की उपाधि पाई तब कहीं घर पहुँचा।

(ख) अब घर का फालतू सामान अलमारी के पीछे और पलंगों के नीचे छिपाया जाने लगा था। तभी शामनाथ के सामने सहसा एक अड़चन खड़ी हो गई, माँ का क्या होगा ? इस बात की ओर न उनका और न उनकी कुशल ग्रहणी का ध्यान गया था। मिस्टर शामनाथ श्रीमती की ओर घूम कर अंग्रेजी में बोले – माँ का क्या होगा ?

(ग) और अचानक ही उन्होंने निर्णय ले लिया कि अब घर कि किसी बात में दखल न देंगे। यदि गृहस्वामी के लिए पूरे घर में एक चारपाई कि जगह यहीं है तो यहीं पड़े रहेंगे। अगर कहीं और डाल दी गई, तो वहाँ चले जाएँगे। यदि बच्चों के जीवन में उनके लिए कहीं स्थान नहीं तो अपने ही घर में परदेशी की तरह पड़े रहेंगे।

(घ) देखिये, छोटी-मोटी घटनाओं को इतना तूल मत दें। दलित उत्पीड़न जैसा मेरे कॉलेज में कुछ भी नहीं है। और मैं इन वाहियात चीजों को नहीं मानता। हमारे घर में तो भंगिन को भी 'अम्मा' कहा जाता था, ''डीन जैसे अपने आप से बाहर ही नहीं निकल रहे थे।

2. 'पंच परमेश्वर' कहानी की मूल संवेदना लिखिए। 17

2128

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर 'वारिस' कहानी का विश्लेषण कीजिये।

3. 'चीफ की दावत' कहानी 'सांस्कृतिक मूल्यों के विघटन' की कहानी है कथन से सम्बन्धित अपने विचार लिखिए। 17

अथवा

'दोपहर का भोजन' कहानी का प्रतिपाद्य लिखिए।

4. 'उसने कहा था' कहानी के शीर्षक से आप कहाँ तक सहमत हैं। स्पष्ट कीजिये। 16

अथवा

'घुसपैठिये' कहानी हाशिये पर जी रहे दलित समाज की बेचैनियों और छटपटाहटों की कहानी हैं। इस कथन की समीक्षा कीजिये।

5. निम्नलिखित मे से किन्ही **दो** पर टिप्पणी लिखिए। (10+10)

(क) 'तीसरी कसम' कहानी का शिल्प।